जमानतनामा

न्यायालय श्रीमान.....

विवाद संख्या.....,.....सन् २०० ई०

आरोप..... .....बनाम .....अभियुक्त.....

अभियोग ....भू० सं पू० संहिता थाना.....,.....

मैं कि .....पुत्र .....निवासी.....

थाना..... .....जिला..... .....

अभियुक्त.....पुत्र.....निवासी.....

थाना.....जिला.....

पर धारा.....के अन्तर्गत आरोप लगाया गया है ।

विद्वान न्यायाधीश .....के अन्तर्गत उपस्थित हुआ हैं। और अभियुक्त

.....के न्यायालय से प्रतिभू देने का आदेश हुआ है

अतः मैं प्रतिभू एतद् द्वारा स्वयं बाध्य होता हू कि मैं अभियुक्त की ओर से इस बात का प्रतिभू हूँ कि उस पर जो आरोप लगाया गया हैं उससे सम्बन्धित प्रारम्भिक जाँच ट्रायल जब तक उक्त न्यायालय में होता रहेगा लगाये गये आरोप के उत्तरदायित्व लिये अभियुक्त न्यायालय द्वारा नियत प्रत्येक तारीख पर 10 बजे दिन को उक्त न्यायालय में निरन्तर उपस्थित होता रहेंगा और यदि मुकदमा निर्णय किसी अन्य न्यायालय तथा सत्र न्यायालय के अधीनस्थ हो जाये तो उक्त अभियुक्त न्यायालय में भी उस पर लगाये गये आरोप के उत्तरदायित्व के लिये उपस्थित होकर स्थिर रहेगा और यदि इसमें चूक करे तो प्रतिभू.....हूँ ।

अंको में.....रुपया जमा के रूप में उ० प्र० राज्य सरकार को दूंगा ।

दिनांक.....माह.....सन् २० ई०

प्रतिभू हस्ताक्षर

शपथ-पत्र

न्यायालय श्रीमान.....

विवाद संख्या.....सन् १००.....ई०के अन्तर्गत धारा.....

थाना.....जिला.....

शपथ पत्र श्री.....पुत्र श्री.....

निवास.....थाना.....जिला.....

१- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूँ कि इस वाद में श्री.....

पुत्र श्री.....अभियुक्त का प्रतिभू (जामिन) हूं

२- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूँ कि मैं भोक्ता (सजायाफ्ता) नही हूँ ।

३- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूं कि मैं दिवालिया तथा ऋणी नही हूं ।

४- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूं कि मेरी चल-अचल सम्पत्ति जो मैंने शपथ पत्र में लिखा हैं कहीं रहन व बय नही है तथा किसी दीवानी व फौजदारी में विवादित नही है ।

५- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूं कि मैं किसी अन्य अभियुक्त का प्रतिभू (जामिन) किसी अन्य मुकदमे या किसी न्यायालय में नही हूँ ।

६- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूं कि मैं अभियुक्त अंकन .....
प्रतिभू जामिन हूं अन्तिम निर्णय बाद तक रहूगा ।

७- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूँ कि मेरे पास निम्न चल और अचल सम्पत्ति हैं .....
.....रू० वार्षिक लगान देता हूं ।

८- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूं कि मैं इस प्रतिभू (जमानत से सम्बन्धित सम्पत्ति का) दीवानी मुकदमा हस्तान्तरित नही करूगा ।

विवरण सम्पत्ति

८- यह कि शपथ पूर्वक कहता हूं कि बाद क्रमशः १ से ८ तक व्यक्तिगत ज्ञान से विश्वासनी एवं विवेक में सत्य है जिसमें कुछ छिपाया नही गया है ईश्वर मेरी सहायता करे

दिनांक .....माह.....सन् १००.....ई०

स्थान.....पुष्टि की गई ।

हस्ताक्षर.....

निवासी .....थाना.....जिला.....

न्यायालय श्रीमान.....

मुचलका

मजिस्ट्रेट महोदय.....कोर्ट जिला.....

मुकदमा नं०.....सन् २००..... ई०.....

मैं मुसम्मे.....आत्मज.....

व्यवसाय.....निवासी.....थाना.....

जिला ..... कि जिस पर अभियोग.....

लगाया गया है।

मजिस्ट्रेट महोदय मुकाम.....के हाजिर आया हूं और मुझे जमानत वास्ते होने हाजिर.....न्यायालय श्रीमान मजिस्ट्रेट महोदय और न्यायालय श्रीमान सेशन ने भी अगर जरूरत हो तलब हुई है। लिहाजा इस तहरीर की रूल को इकरार करता हूं कि हर रोज जब तक उस अभियोग के बाबत प्रारम्भिक जाँच होती रहेगी मजिस्ट्रेट मजकूर के न्यायालय में हाजिर रहूंगा और अगर यह मुकदमा निर्णय के लिये न्यायालय सेशन में सुपुर्द हो जाए तो उस न्यायालय में भी वास्ते जवाबदेही उस अभियोग के बाबत जो मुझ पर लगाया गया है। हाजिर रहूंगा अगर हाजिर होने में कसूर करूं तो मुबलिग ..... रू० उत्तर प्रदेश (भारत सरकार) को तावन के तौर अदा करूंगा।

दिनांक.....माह.....सन् २००.....